5

''उठ, और बपतिस्मा ले'' (2)

आपने तीन टांगों वाले स्टूल देखे होंगे। अपने मन में तीन टांगों वाले एक स्टूल की कल्पना करें। फिर, कल्पना करें कि उनमें से एक टांग निकल जाए तो क्या होगा? (अपने मन में, मैं एक आदमी को देखता हूं जो गाय दुहता है और अन्त में दूध वाली बाल्टी के उछलने से टूटे हुए स्टूल को संतुलन में लाने की कोशिश करता हुआ भूमि पर गिर पड़ता है!) स्पष्टतया, तीन टांगों वाला स्टूल दो टांगों पर खड़ा नहीं हो सकता।

वचन के अनुसार बपतिस्मे में तीन तत्व होते हैं: यह सही प्रकार से होना चाहिए (अर्थात ''कैसे''); यह सही कारण से होना चाहिए (अर्थात ''क्यों''); और यह सही व्यक्ति का होना चाहिए (अर्थात ''किसे'')। इन में से हर एक तत्व तीन टांगों वाले स्टूल की एक टांग के समान है: प्रत्येक आवश्यक है; अनिवार्य है।

पिछले पाठ में, हमने बपतिस्मे के ''क्यों'' पर चर्चा आरम्भ की थी। इस पाठ में, हम उस चर्चा को पूरा करते हुए बपतिस्मा ''कैसे?'' और ''किसे?'' के प्रश्नों पर भी विचार करेंगे।

बपतिस्मा: ''क्यों?''

यदि पिछले पाठ का अध्ययन किए आपको काफ़ी समय बीत गया हो और मूल पाठ याद न रहा हो, तो आपको चाहिए कि उन बातों पर पुनर्विचार कर लें जो बपतिस्मे के उद्देश्य के बारे में मरकुस 16 और प्रेरितों 2 में कही गई हैं।

अन्य आयतें भी ''बपतिस्मा क्यों लिया जाए?'' प्रश्न का उत्तर देती हैं। मैं नीचे कई आयतें दे रहा हूं। प्रत्येक के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए, अपनी बाइबल में इन्हें अवश्य पढ़ें।:

प्रेरितों 22:16: प्रचारक ने शाऊल को बताया, ''अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।'' पापों को धोने वाला पानी नहीं है; बपतिस्मे के स्थान में पानी किसी भी प्रकार जादुई अथवा पवित्र नहीं हो जाता। यीशु का लोहू हमारे पापों को धोता है (मत्ती 26:28; प्रकाशितवाक्य 1:5)। प्रेरितों 22 बताता है कि यीशु का लोहू बपतिस्मे के समय हमारे पापों को धोता है।

गलतियों 3:26, 27: पौलुस ने गलतिया के मसीहियों को बताया, ''क्योंकि तुम सब

उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की संतान हो'' (आयत 26)। वे ''विश्वास करने के द्वारा परमेश्वर की संतान'' कब बने? पौलुस आगे बताता है, ''तुम में से जितनों ने मसीह में[1] बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है'' (आयत 27)। यदि आप *परमेश्वर की संतान* बनना चाहते हैं तो आपको विश्वास करने और बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। यदि आप मसीह का अंग बनना चाहते हैं तो आपको मसीह *में* बपतिस्मा लेना आवश्यक है। यदि आप मसीह को *पहनना* चाहते हैं तो आपको बपतिस्मा लेना आवश्यक है।

1 पतरस 3:21: पतरस ने यह व्याख्या करने के बाद कि नूह और सात अन्य जन जहाज़ में कैसे बचाए गए, लिखा, ''उसी पानी का दृष्टांत भी, अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है; (उस से शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है)।'' बपतिस्मे का उद्देश्य नहाना और देह को साफ़ करना नहीं है[2] बल्कि, बपतिस्मा परमेश्वर को शुद्ध मन से उत्तर देना है: परमेश्वर कहता है, ''उठ और बपतिस्मा ले,'' और मेरा मन कहता है ''अच्छा!'' जैसे पिछले पाठ में हमने ध्यान दिया था, कि बपतिस्मा यीशु की मृत्यु, गाड़े जाने, और पुनरुत्थान में मेरे विश्वास को व्यक्त करता है।

''बपतिस्मा अब तुम्हें बचाता है'' बहुत ही शक्तिशाली वाक्य है। अब तक, आप को समझ में आ जाना चाहिए कि इसका अर्थ यह नहीं कि अकेले बपतिस्मा लेने की क्रिया का कोई लाभ है। हम स्वयं अपना उद्धार नहीं कर सकते! हम केवल परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा बचाए जा सकते हैं। तथापि, यह आयत घोषणा करती है, कि नूह के जहाज़ में लोग तब बचाए गए जब उन्होंने वही किया जो परमेश्वर ने उन्हें करने के लिए कहा था। सो आज लोग अपने पापों से तब बचाए जाते हैं, जब वे वही करते हैं जिसकी परमेश्वर आज्ञा देता है। अर्थात जब वे बपतिस्मा लेते हैं। ''बपतिस्मा बचाता है'' इस अर्थ में कि परमेश्वर ने हमारे उद्धार के लिए अपनी योजना में बपतिस्मे को डाला है।

हमारी इस सूची में अन्य आयतें भी जोड़ी जा सकती थीं, जिनमें से कई इस शब्द का उपयोग किए बिना ही बपतिस्मे के लिए हैं (जैसे कि यूहन्ना 3:3, 5; तीतुस 3:5)। तथापि, मुझे आशा है, कि उद्धृत आयतें आपके मन में ''क्यों?'' का उत्तर देने के लिए पर्याप्त हैं।

बपतिस्मा: ''कैसे?''

आइए अब ''किसी को बपतिस्मा कैसे दिया जाना चाहिए?'' प्रश्न की ओर मुड़ें। पिछले पाठ में, हमने ध्यान दिया था कि यूनानी शब्दकोषों में ''बपतिस्मे'' की परिभाषा ''डुबकी'' है। तथापि, मैं यह प्रभाव नहीं छोड़ना चाहता हूं कि बपतिस्मे की क्रिया को समझने के लिए यूनानी भाषा को जानना या यूनानी शब्दकोष का होना अनिवार्य है। बपतिस्मे की क्रिया वचन में स्पष्ट है।

यूहन्ना के द्वारा बपतिस्मा (यूहन्ना 3; मत्ती 3)

यूहन्ना 3:23 कहता है कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला ''शालेम के निकट ऐनोन में बपतिस्मा देता था। क्योंकि वहां बहुत जल था।'' सिर पर जल छिड़कने या उंडेलने के लिए केवल थोड़ा सा जल चाहिए, परन्तु यूहन्ना के बपतिस्मे के लिए ''बहुत जल'' की आवश्यकता थी।

यूहन्ना के बपतिस्मे में ''बहुत जल'' की आवश्यकता थी क्योंकि यह पानी में डुबकी से होना था। यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के बाद, प्रभु ''तुरन्त पानी में से ऊपर आया'' (मत्ती 3:16)। पानी में जाने की क्रिया (अंतर्निहित) और पानी में से बाहर आना (वर्णित) डुबकी की क्रिया के अनुरूप है, और छिड़काव या उंडेलने की क्रियाओं से मेल नहीं खाती।

खोजे का बपतिस्मा (प्रेरितों 8)

कूश देश के मंत्री के बपतिस्मे का परिचय हमारे तीसरे पाठ में दिया गया था। हमने देखा कि इस अधिकारी ने यीशु में अपने विश्वास का अंगीकार किया। इसके बाद, हमने पढ़ा,

> ... उस ने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उस ने उसे बपतिस्मा दिया। जब वे जल में से निकलकर ऊपर आए, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया, सो खोजे ने उसे फिर न देखा, और वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया (प्रेरितों 8:38, 39)।

ध्यान दें कि फिलिप्पुस और खोजा दोनों ''जल में उतर पड़े'' और ''जल में से निकलकर ऊपर आए।'' छिड़काव से बपतिस्मा देने वालों को पानी से जो आज बाहर रखता है उसी ने फिलिप्पुस को भी पानी के बाहर रखा होता, *यदि* वह खोजे को छिड़काव ही करने वाला होता। पुन, यह क्रिया डुबकी के अनुरूप है और छिड़काव या उंडेलने के अनुरूप नहीं है अर्थात उससे मेल नहीं खाती।

बपतिस्मा गाड़े जाकर (रोमियों 6; कुलुस्सियों 3)

पौलुस ने अपने लेखों में, बपतिस्मे की विशेषता ''गाड़े जाने'' के रूप में दी है। उसने रोम में मसीहियों को लिखा, ''सो उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ *गाड़े गए* ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन की सी चाल चलें'' (रोमियों 6:4)। उसने कुलुस्से में मसीहियों को बताया कि वे ''बपतिस्मा में *गाड़े गए,* और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे'' (कुलुस्सियों 2:12)। आपने सम्भवत: किसी की मृत्यु के बाद उसे गाड़े जाते देखा होगा। अपने आप से पूछिए, ''गाड़े जाने की धारणा को सबसे अच्छे ढंग से कौन चित्रित करता है: छिड़काव, उंडेलना, या डुबकी?''

पूरे नये नियम में खोज कीजिए: आपको ''बपतिस्मा'' पाने का कोई भी ऐसा उदाहरण

नहीं मिलेगा, जिसमें किसी के सिर पर पानी छिड़का अथवा उंडेला गया हो।

बहुत से इतिहासकार मानते हैं कि पहली सदी की कलीसिया केवल डुबकी का ही प्रयोग करती थी। (बपतिस्मे के लिए) छिड़काव का आरम्भ कई साल बाद तक नहीं हुआ था।[3] यीशु ने एक बार पूछा था, ''यूहन्ना का बपतिस्मा क्या स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था?'' (मरकुस 11:30)। यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से था। यदि यही प्रश्न हम छिड़काव और उंडेलने के बारे में पूछें तो उत्तर होगा ''मनुष्यों की ओर से।''

बपतिस्मा: ''किसे''

बपतिस्मे के संबंध में तीसरा प्रश्न है कि ''बपतिस्मा किसे दिया जाना चाहिए?'' कुछ धार्मिक गुट बच्चों को ''बपतिस्मा देते'' हैं, परन्तु हम पिछले पाठ में इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि बच्चों को बपतिस्मे की आवश्यकता नहीं है क्योंकि जन्म के साथ वे शुद्ध और पवित्र होते हैं। फिर, किसे, बपतिस्मा दिया जाना चाहिए? हमारा उत्तर हो सकता है, ''हर ज़िम्मेदार व्यक्ति को।'' पतरस ने आज्ञा दी, ''*तुम में से हर एक* ... बपतिस्मा ले'' (प्रेरितों 2:38), परन्तु इसके लिए कुछ योग्यता होनी आवश्यक है। बपतिस्मा कोई संस्कार या रीति-रिवाज़ नहीं है। यह उनके लिए है जिन्होंने अपने दिलों और जीवनों को तैयार कर लिया है। इस कारण पतरस ने कहा कि उसके सुनने वालों के लिए बपतिस्मा लेने से पहले मन फिराना आवश्यक था (प्रेरितों 2:38)।

इस प्रश्न के उत्तर के लिए कि बपतिस्मा किसे दिया जाना चाहिए, हम पहले ही बाइबल की आयतों का अध्ययन कर चुके हैं। आपको ये आयतें दोबारा पढ़नी चाहिए। बपतिस्मा किसे दिया जाना चाहिए?

- उसे, जिसे *सिखाया* गया है(मत्ती 28:18, 19; मरकुस 16:15, 16)।
- उसे, जो यीशु में *विश्वास* करता है (मरकुस 16:15, 16)।
- उसे, जिसने अपने पापों से *मन फिराया* है (प्रेरितों 2:36-38)।
- उसे, जिसने यीशु में अपने विश्वास का *अंगीकार* कर लिया है (प्रेरितों 8:36-39; रोमियों 10:9, 10)।

बच्चे इस श्रेणी में नहीं आते।

कोई व्यक्ति इतना बड़ा कब होता है कि उसे बपतिस्मा दिया जाए? किसी व्यक्ति को बपतिस्मा लेने की *आवश्यकता* कब होती है? बाइबल में उम्र नहीं दी गई है, परन्तु बपतिस्मा लेने वाला इतना बड़ा अवश्य होना चाहिए कि वह यह समझ सकता हो:

- कि, वह एक पापी है जिसे उद्धार की आवश्यकता है।[4]
- कि, यीशु उसे बचाने के लिए मरा।
- कि, बपतिस्मा लेना उसके उद्धार के लिए परमेश्वर की योजना का एक भाग है।

- कि, वह प्रभु के सामने व्यक्तिगत तौर पर अपने जीवन का समर्पण कर रहा है।

बपतिस्मा: ''किसे?''; ''कैसे?''; और ''क्यों?''

एक आयत जो बपतिस्मे के ''किसे?''; ''कैसे?''; और ''क्यों?'' को बताती है, वह है रोमियों 6:3-6 :

> क्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया, तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया? सो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन की सी चाल चलें। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय ही उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएंगे। क्योंकि हम जानते हैं, कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, ताकि हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें।

बपतिस्मे पर इन आयतों की शिक्षा को इस प्रकार समझा जा सकता है:

म **प** ''जीवन का नयापन''

ग

म=मृत्यु
ग=गाड़े जाना (बपतिस्मा)
प=पुनरुत्थान

यीशु की मृत्यु, गाड़े जाने, और पुनरुत्थान से बपतिस्मे के सम्बन्ध पर ध्यान दीजिए।[5]

यीशु क्रूस पर *मरा* (लूका 23:33-46; फिलिप्पियों 2:8)। आत्मिक रूप से पाप *में* मरा हुआ (इफिसियों 2:1, 5) व्यक्ति विश्वास, मन फिराने, और अंगीकार के द्वारा पाप *के लिए* मर सकता है (रोमियों 6:11)।

यीशु कब्र में *गाड़ा गया* था (यूहन्ना 19:40-42; 1 कुरिन्थियों 15:4)। उसी प्रकार

आज्ञा मानने वाला, विश्वासी भी बपतिस्मे की पानी रूपी कब्र में गाड़ा जाता है।

यीशु मुर्दों में से *जी उठा* था (मत्ती 28:1-8; रोमियों 1:4)। उसी प्रकार एक मसीही ''जीवन के नयेपन'' के लिए पानी में से जी उठता है।

कई बार लोग मुझ से कहते हैं कि इस या उस डिनोमिनेशन (साम्प्रदायिक कलीसिया) के बपतिस्मे में क्या गलत है। नियम के अनुसार, जिसे साम्प्रदायिक कलीसिया के लोग ''बपतिस्मा'' कहते हैं, उसमें जिन तीन विशेषताओं का हमने अध्ययन किया है, उनमें से एक या अधिक की कमी होती है। और भी कष्टदायक बात यह है कि ये ''बपतिस्मे'' आम तौर पर मसीह की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरुत्थान के सम्बन्ध को नष्ट कर देते हैं:

- कुछ लोग बच्चों को ''बपतिस्मा देते'' हैं परन्तु एक छोटा बच्चा पाप में *मरा* हुआ नहीं है।
- कई पानी छिड़कते हैं और इसे ''बपतिस्मे'' का नाम देते हैं परन्तु छिड़कने को *गाड़े* जाना नहीं कहा जा सकता।
- कई लोग डुबोते तो हैं, परन्तु वे यह ज़िद करते हैं कि जिसे डुबोया गया है उसे बपतिस्मा लेने से *पहले* यीशु में नया जीवन मिल चुका है, *बाद में* नहीं। इस प्रकार जीवन के *नयेपन* के लिए *जी उठने* का रूपक समाप्त हो जाता है। (उनकी शिक्षा के अनुसार, वे ''जीवित'' लोगों को गाड़ते हैं, मृतकों को नहीं।)

यदि किसी को पता चल जाए कि उसका बपतिस्मा नये नियम के लिखे जाने के दिनों में दिए जाने वाले बपतिस्मे से भिन्न है तो उसे क्या करना चाहिए? प्रेरितों 19 इस प्रश्न का उत्तर उपलब्ध कराता है। जब पौलुस इफिसुस में आया, तो उसे बारह मनुष्य मिले जिन्हें वह सोचता था कि वे मसीही थे। शीघ्र ही उसे यह मालूम हो गया कि उन्हें यूहन्ना के बपतिस्मे के अनुसार बपतिस्मा दिया गया था। यूहन्ना का बपतिस्मा तैयारी का बपतिस्मा था, जो कि अपने समय के लिए पर्याप्त था परन्तु इसके स्थान पर अब यीशु का बपतिस्मा आ गया था।[6] बारह व्यक्तियों को यूहन्ना के बपतिस्मे से तब बपतिस्मा दिया गया था जब उसकी मान्यता नहीं रही थी।[7] उनके बपतिस्मे का ''कैसे?'' और ''किसे?'' ठीक था, परन्तु ''क्यों?'' गलत था।[8] पौलुस के द्वारा उन्हें और सिखाने के बाद, ''उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया'' (प्रेरितों 19:5)।

सारांश

अब यहां पर, हो सकता है कि आप अपने बपतिस्मे की तुलना नये नियम के बपतिस्मे से करना चाहें। आपको वह प्रश्नावली याद है जो आपने इस अध्ययन के आरम्भ में भरी थी? उसे भरें व अपने उत्तरों को देखें। क्या आप पर कुछ जल छिड़का गया था या आपको डुबोया गया था? ''बपतिस्मे'' (अथवा ''क्रिसनिंग'') के समय आप क्या एक बालक ही थे? क्या यह सम्भव है कि आप इतने छोटे थे कि आपको समझ ही नहीं थी कि आप क्या

कर रहे थे? यदि आप इतने बड़े थे कि आप व्यक्तिगत तौर पर समर्पण कर सकते थे और डुबोए गए थे, तो क्या कोई ऐसा संकेत है कि आपको सिखाया गया कि बपतिस्मा गैरज़रूरी संस्कार है? उदाहरण के लिए, क्या आपको यह सिखाया गया था कि बपतिस्मा लेने से पूर्व आपका उद्धार हो चुका था?

आपको उलझाने या परेशान करने के लिए मैं यह प्रश्न नहीं पूछ रहा हूं। बल्कि, इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि उद्धार से बढ़कर महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। कोई भी अपनी आत्मा के उद्धार का जुआ नहीं खेलना चाहता।

यदि आपको पता चले कि आपका बपतिस्मा नये नियम में दिए नमूने के अनुसार नहीं हुआ, तो प्रेरितों 19 में उन ईमानदार चेलों की तरह कीजिए: डूबकर (अथवा पुन: डुबोये जाकर) बपतिस्मा लीजिए। इस बार बिल्कुल वैसे ही कीजिए जैसे बाइबल में बताया गया है।

पाद टिप्पणियां

[1]सभी आत्मिक आशिषें ''मसीह में'' हैं (इफिसियों 1:3)। दो आयतें हमें बताती हैं कि ''मसीह में'' कैसे आना है, जहां वे आशिषें मिलती हैं: गलतियों 3:27 और रोमियों 6:3 बताती हैं कि *बपतिस्मा* मसीह में लिया जाता है। [2]इसके विपरीत, कभी-कभी मुझे लोगों को किसी गन्दे तालाब में बपतिस्मा देना पड़ा, क्योंकि डुबोने के लिए केवल वही स्थान उपलब्ध था। [3]सन 1600 तक डुबोने के विकल्प के रूप में छिड़काव को आधिकारिक मान्यता नहीं थी। बपतिस्मे के लिए छिड़काव का आरम्भ कैथोलिक चर्च ने किया। [4]इस पुस्तक में अध्याय 2 के आरम्भ में ''ज़िम्मेदारी की उम्र'' पर नोट्स देखिए। [5]सुसमाचार का सार यीशु की मृत्यु, गाड़ा जाना, और पुनरुत्थान है। [6]''यीशु के बपतिस्मे'' से मेरा तात्पर्य उस बपतिस्मे से है जिसकी आज्ञा यीशु ने अपने ग्रेट कमीशन में दी थी (मत्ती 28:18-20; मरकुस 16:15, 16)। [7]सम्भवत: उन्हें अप्पुलोस ने सिखाया और बपतिस्मा दिया था, जो ''केवल यूहन्ना के बपतिस्मे की बात जानता था'' (प्रेरितों 18:25) जब तक प्रिस्किल्ला और अक्विला ने ''परमेश्वर का मार्ग उसको और भी ठीक-ठीक'' नहीं सिखाया (प्रेरितों 18:26)। [8]उनके बपतिस्मे के उद्देश्य के साथ एक बात गलत थी कि यूहन्ना के बपतिस्मे में यीशु के बपतिस्मे की तरह पवित्र आत्मा के दान का वायदा नहीं था (प्रेरितों 2:38)।